

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th



aglasem.com

Class : 9th

Subject : अर्थशास्त्र

Chapter : 2

Chapter Name: संसाधन जे रूप में लोग

Q1 "संसाधन के रूप में लोग" से आप क्या समझते हैं?

Answer. 'संसाधन के रूप में लोग' वर्तमान उत्पादन कौशल और क्षमताओं के संदर्भ में किसी देश के कार्यरत लोगों का वर्णन करने का एक तरीका होता है। उत्पादक पहलू की दृष्टि से जनसंख्या पर विचार करना सकल राष्ट्रीय उत्पाद के सृजन में उनके योगदान की क्षमता पर बल देता है। दूसरे संसाधनों के भांति जनसंख्या भी एक संसाधन होता है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q2 मानव संसाधन भूमि और भौतिक पूँजी जैसे अन्य संसाधनों से कैसे भिन्न है?

Answer. मानव संसाधन एक सकारात्मक पहलू है, जिसे प्रायः उस वक्त अनदेखा कर दिया जाता है जब हम इसके नकारात्मक पहलू को देखते हैं, जैसे भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की जनसंख्या तक पहुंच से संबंधित समस्याओं पर विचार करते समय। जब इस विद्यमान मानव संसाधन और अधिक शिक्षा और स्वास्थ्य द्वारा और विकसित किया जाता है तब हम इसे मानव पूँजी निर्माण कहते हैं, जो भौतिक पूँजी निर्माण की ही भांति देश की उत्पादक शक्ति में वृद्धि करता है। मानव पूँजी में निवेश भौतिक पूँजी की ही भांति प्रतिफल प्रदान करता है। अधिक शिक्षित या बेहतर प्रशिक्षित लोगों की उच्च उत्पादकता के कारण होने वाली अधिक आय अधिक स्वस्थ लोगों की उच्च उत्पादकता के रूप में इसे प्रत्यक्ष देखा जा सकता है, और केवल इसमें निवेश करके समाज और उससे जुड़े सभी संस्थाओं में सुधार लाया जा सकता है। इन रूपों में यह बाकी संसाधनों से भिन्न नज़र आता है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q3 मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा की क्या भूमिका है?

Answer. अधिक शिक्षित और अधिक स्वस्थ लोगों का लाभ, समाज के उन वर्गों को अप्रत्यक्ष तरीकों से मिलता है जो स्वयं प्रत्यक्ष रूप से शिक्षित नहीं हैं या उतनी स्वास्थ्य सेवाएँ उतनी प्रदान नहीं की गई हैं। मानव संसाधन में निवेश से भविष्य में उच्च प्रतिफल प्राप्त हो सकते हैं। जो निवेश भूमि और पूँजी में निवेश की ही तरह है। एक बच्चा, भी जिसकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश किया गया है भविष्य में उच्च आय और समाज को वृहद योगदान के रूप में अधिक प्रतिफल दे सकता है। यह देखा जाता है कि शिक्षित मां बाप अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक निवेश करते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उन्होंने स्वयं भी शिक्षा के महत्व को अनुभव किया होता है। वे उचित पोषण और स्वच्छता के प्रति भी सचेत होते हैं। इसी प्रकार वे अपने बच्चों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखते हैं, और इसी तरह एक अच्छा चक्र

बन जाता है। इसके विपरीत, स्वयं भी अशिक्षित और अस्वच्छता तथा सुविधावंचित स्थिति में वाले मां-बाप एक दुष्चक्र सृजित कर लेते हैं बच्चों को अपनी ही तरह सुविधाओं से वंचित रखते हैं। इसलिए मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा की भूमिका अहम है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q4 मानव पूँजी निर्माण में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है?

Answer. किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य उसे अपनी क्षमता को प्राप्त करने और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। ऐसा कोई भी अस्वस्थ स्त्री/पुरुष संगठन के समग्र विकास में योगदान को अधिक करने में सक्षम नहीं होगा। वास्तव में, स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक अपरिहार्य आधार है। इसलिए जनसंख्या की स्वास्थ्य स्थिति को सुधारना किसी भी देश की प्राथमिकता होती है। हमारी राष्ट्रीय नीति का लक्ष्य भी जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक सेवा तक इनकी पहुंच को बेहतर बनाना है। पिछले 5 दशकों में भारत ने सरकारी और निजी क्षेत्र को में प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक सेवाओं के लिए अपेक्षित एक विस्तृत स्वास्थ्य आधारिक संरचना और जनशक्ति का निर्माण किया है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q5 किसी व्यक्ति के कामयाब जीवन में स्वास्थ्य की क्या भूमिका है?

Answer. मानव संसाधन को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं द्वारा विकसित किया जा सकता है। मानव पूँजी भौतिक पूँजी की तरह ही देश के उत्पादक क्षमता को बढ़ा सकता है। संसाधन में निवेश कर शिक्षा और स्वास्थ्य के द्वारा भौतिक पूँजी की ही तरह प्रतिफल दे सकता है। किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य उसे अपनी क्षमता को प्राप्त करने और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। ऐसा कोई भी अस्वस्थ स्त्री/पुरुष संगठन के समग्र विकास में अपने योगदान को अधिकतम करने में सक्षम नहीं होगा। स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक अपरिहार्य आधार है। एक स्वस्थ व्यक्ति ही अपनी संपूर्ण क्षमता को विकसित कर सकता है और उसका उपयोग कर सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के अंदर ही अपने भविष्य को उज्जवल बनाने और उसे संवारने की क्षमता होती है। इसलिए जीवन में स्वस्थ होना अपने आप को और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने जैसा है। कामयाबी में स्वास्थ्य एक अहम भूमिका निभाता है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q6 प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों में किस तरह की विभिन्न आर्थिक क्रियाएं संचालित की जाती हैं?

Answer. मानव संसाधन की दृष्टि से विभिन्न क्रियाकलापों को तीन प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया गया है- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक। क्षेत्र के अंतर्गत कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन,

मूर्गी पालन और खनन एवं उत्खनन शामिल है। द्वितीयक क्षेत्रक में विनिर्माण शामिल है। तृतीयक क्षेत्रक में व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि शामिल किए जाते हैं। इस क्षेत्रक में क्रियाकलाप के फलस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है। ये क्रियाकलाप राष्ट्रीय आय में मूल्य वर्धन करते हैं। यह क्रियाएं आर्थिक क्रियाएं कहलाती हैं। आर्थिक क्रियाओं के 2 भाग होते हैं - बाजार क्रियाएं और गैर बाजार क्रियाएं। बाजार क्रियाओं में वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाओं के लिए पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है। इसमें सरकारी सेवा सहित वस्तु या सेवाओं का उत्पादन शामिल है। गैर बाजार क्रिया से अभिप्राय स्व-उपभोग के लिए उत्पादन है। इनमें प्राथमिक उत्पादों का उपभोग और प्रसंस्करण तथा अचल संपत्तियों का स्वलेखा उत्पादन आता है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q7 आर्थिक और गैर आर्थिक क्रियाओं में क्या अंतर है?

Answer. आर्थिक क्रियाएँ वो क्रियाएँ हैं जिसके कारण सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोतरी होती है अर्थात् जिसके कारण देश की आय में वृद्धि होती है। जिससे लाभ कमाया जाता है। और जिससे लोगों को भी फायदा होता है। इसके भी दो आधार होते हैं - बाजार क्रियाएं (जिसका इस्तेमाल उत्पादन, उपभोग और लाभ के लिए किया जाता है) और गैर बाजार क्रियाएँ (जिसका इस्तेमाल केवल उपभोग के लिए किया जाता है)। वही गैर आर्थिक क्रियाएँ वो होती हैं जिससे सकल घरेलू उत्पादन में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होता। जैसे किसी का अपने घर के काम में हाथ बटाना।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q8 महिलाएं क्यों निम्न वेतन वाले कार्यों में नियोजित होती हैं?

Answer. महिलाओं को उनकी सेवाओं के लिए तब भुगतान किया जाता है, जवे श्रम बाजार में प्रवेश करती हैं। उनके पुरुष सहयोगी की तरह उनकी आय, उनकी शिक्षा और कौशल के आधार पर निर्धारित की जाती है। शिक्षा व्यक्ति के उपलब्ध आर्थिक अवसरों के बेहतर उपयोग में सहायता करती है। शिक्षा और कौशल बाजार में किसी व्यक्ति की आय के प्रमुख निर्धारक हैं। अधिकांश महिलाओं के पास बहुत कम शिक्षा और निम्न कौशल स्तर है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को कम पारिश्रमिक दिया जाता है। अधिकतर महिलाएं वहां काम करती हैं, जहां नौकरी की सुरक्षा नहीं होती तथा कानून सुरक्षा का अभाव है। अनियमित रोजगार और निम्न आय इस क्षेत्र की विशेषताएं हैं। इस क्षेत्र में प्रसूति अवकाश, देखभाल और अन्य सामाजिक सुरक्षा तंत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती। इसलिए निम्न वेतन वाले कार्यों में नियोजन होती है तथा उनके वेतन में पुरुषों के मुकाबले अंतर होता है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q9 बेरोजगारी शब्द की आप कैसे व्याख्या करेंगे?

Answer. उस समय विद्यमान कही जाती है, जब प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने के लिए इच्छुक लोग रोजगार नहीं पा सके। श्रम वाले जनसंख्या में वह लोग शामिल किए जाते हैं जिनकी उम्र 15 वर्ष से 59 वर्ष तक होती है। जो पारिश्रमिक काम करने की इच्छुक नहीं है उन्हें भी बेरोजगार नहीं कहा जा सकता। भारत के संदर्भ में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में बेरोजगारी है। तथापि, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में बेरोजगारी की प्रकृति में अंतर है। चित्रों में मौसमी और प्रच्छन्न बेरोजगारी है। नगरीय क्षेत्रों में अधिकांशतः शिक्षित बेरोजगारी है। बेरोजगारी से जन शक्ति संसाधन की बर्बादी होती है। युवकों में निराशा और हताशा की भावना होती है। लोगों के पास अपने घर परिवार का भरण पोषण करने के लिए पर्याप्त मुद्रा नहीं होती।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q10 प्रच्छन्न और मौसमी बेरोजगारी में क्या अंतर है?

Answer. भारतीय संदर्भ में और नगर क्षेत्रों में बेरोजगारी की प्रकृति अलग-अलग है। ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी और प्रचंड बेरोजगारी है। मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब लोग वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं। कृषि पर आश्रित लोग आमतौर पर इस तरह की समस्या से जूझते हैं। वर्ष में कुछ व्यस्त मौसम होते हैं जब बुवाई, कटाई, निराई और गहाई होती है। कुछ विशेष महीनों में कृषि पर आश्रित लोगों को अधिक काम नहीं मिल पाता। जबकि प्रच्छन्न बेरोजगारी के अंतर्गत लोग नियोजित प्रतीत होते हैं, उनके पास भूखंड होता है, जहां उन्हें काम मिलता है। किसी का काम में लगे परिजनों में होता है। किसी काम में 5 लोगों की आवश्यकता होती है लेकिन उसमें 8 लोग लगे होते हैं। इनमें तीन लोग अतिरिक्त हैं। यह तीनों इसी खेती पर काम करते हैं जिस पर 5 लोग काम करते हैं। इन तीनों द्वारा गया अंशदान 5 लोगों द्वारा किए गए योगदान में कोई बढ़ोतरी नहीं करता है। अगर 3 लोगों को हटा दिया जाए तो खेत की उत्पादकता में कोई कमी नहीं आएगी। खेत में 5 लोगों के काम की आवश्यकता है और तीन अतिरिक्त प्रच्छन्न रूप से बेरोजगार होते हैं।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q11 शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिए एक विशेष समस्या क्यों है?

Answer. शहरी क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगारी एक सामान्य परिघटना बन गयी है। मैट्रिक, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी अनेक युवक रोजगार पाने में असमर्थ हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि मैट्रिक की तुलना में स्नातक और स्नातकोत्तर युवकों में बेरोजगारी अधिक तेजी से बढ़ गई है। एक ओर तकनीकी अहर्ता प्राप्त लोगों के बीच बेरोजगारी है तो दूसरी ओर आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल की कमी भी है। शिक्षित लोगों के साथ, जो कार्य करने के इच्छुक हैं और सार्थक रोजगार प्राप्त करने में समर्थ नहीं हैं, यह एक बड़ा सामाजिक अपव्यय है। बेरोजगारी से आर्थिक बोझ में वृद्धि होती है। कार्यरत जनसंख्या पर बेरोजगारों की निर्भरता बढ़ती है। इसलिए किसी अर्थव्यवस्था के समग्र विकास पर बेरोजगारी का अहितकर प्रभाव पड़ता है। बेरोजगारी में वृद्धि मंदीग्रस्त अर्थव्यवस्था का सूचक है। भारत में बेरोजगारी की दर निम्न है। बड़ी संख्या में निम्न आय और निम्न उत्पादकता वाले लोगों की गिनती नियोजित लोगों में की जाती है। वे पूरे वर्ष काम करते आ

प्रतीत होते हैं, लेकिन उनकी क्षमता और आय के हिसाब से यह उनके लिए पर्याप्त नहीं है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q12 आपके विचार से भारत किस क्षेत्र में रोजगार के सर्वाधिक अवसर सृजित कर सकता है?

Answer. मेरे हिसाब से भारत सेवाओं के क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार सृजित कर सकता है। क्योंकि भारत में सेवाओं के क्षेत्र में बहुत कमी खामी देखी जाती है। जैसे अस्पताल को ही ले लें तो हम देखते हैं कि कितनी कमी है डॉक्टर की, ऐसे ही हर सेवा क्षेत्र में है। हम इसे ठीक करने के लिए रोजगार बढ़ाना चाहिए ताकि बेहतर मानव संसाधन उपलब्ध हो सके इससे भारत और उसके समाज के उन्नति के लिए अच्छा रहेगा और भविष्य में हमारा सकल घरेलू उत्पाद में भी बढ़ोतरी होगी।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q13 क्या आप शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोजगारों की समस्या दूर करने के लिए कुछ उपाय सुझा सकते हैं?

Answer. शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोजगारी को हटाने के लिए हमें उपभोगता की जगह उत्पादकता के प्रति शिक्षा देनी चाहिए। इससे ज्यादा से ज्यादा रोजगार पैदा होने की आशंका होती है। जिससे सकल घरेलू उत्पाद और व्यक्तिगत लाभ भी कमाया जा सकता है। बड़ी संख्या में हाई स्कूल के विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल से संबंधित व्यवसाय उपलब्ध कराने के लिए व्यवसायिक शाखाएं विकसित की जानी चाहिए। प्राथमिक शिक्षा में सार्वजनिक पहुंच, धारण और गुणवत्ता प्रदान करने का प्रावधान किया जाना चाहिए। साक्षरता प्रत्येक नागरिक का न केवल अधिकार है बल्कि यह नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों का ठीक प्रकार से पालन करने तथा अपने अधिकारों का ठीक प्रकार एक के लिए अनिवार्य भी है

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q14 क्या आप कुछ ऐसे गाँव की कल्पना कर सकते हैं जहाँ पहले रोजगार का अवसर नहीं था, लेकिन बाद में बहुतायत में हो गया?

Answer. बच्चे स्वयं करें।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

Q15 किस पूंजी को आप सबसे अच्छा मानते हैं- भूमि, भौतिक पूंजी, श्रम और मानव पूंजी? क्यों?

Answer. मैं मानव पूंजी को सर्वाधिक अच्छा मानता हूँ क्योंकि बाकी सब इसी के ऊपर आश्रित है। अगर इसे अच्छा कर दिया गया तो बाकी सब का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। क्योंकि उनको चलाने की जिम्मेदारी सम्पूर्ण रूप से मानव की ही है, और जितना अधिक वो शिक्षित होगा, कौशल युक्त होगा

उतनी ही बेहतरीन इस्तेमाल करेगा। सेवाओं के क्षेत्र में ही या रोजगार या व्यवसाय के क्षेत्र में हर क्षेत्र में इसकी अपनी महत्ता है।

Page : 27 , Block Name : अभ्यास

aglasem.com